छठा वर्ग : ' य, र, ल, व, श ' से आरम्भ होने वाले शब्द

501. यह : निकट की वस्तु का निर्देश करनेवाला एक सर्वनाम जो वक्ता और श्रोता के अतिरिक्त व्यकितयों, वस्तुओं , पदार्थों के लिये प्रयोग किया जाता है ।

502. यही : निश्चित रूप से यह । यह ही ।

503. युक्त : उचित । न्याय । ठीक । मिला हुआ । जुटा हुआ ।

504. युक्ति : नीति । उपाय । ढ़ंग । तर्क । अनुमान । रीति । कारण । हेतु ।

505. योग : संयोग । मेल । उपाय । युक्ति । संगति । ध्यान । गणित में दो या अधिक संख्याओं का जोड़ । युक्ति या मोक्ष का उपाय । चित्त की चंचलता को रोकने की विधि ।

506. योगी : आत्मज्ञानी ।

507. योग्य : प्रवीण । चतुर । श्रेष्ठ । उपयुक्त । आदरणीय । उचित । सुन्दर । ठीक । उपाय करने वाला । सामर्थ्य । अनुकूलता ।

508. यौगिक : मिश्रित । मिला हुआ । प्रकृति । प्रत्ययादि से बना हुआ शब्द । वह शब्द जो अन्य शब्दों से मिल कर बना हो ।

509. योज्य : गणित में जोड़ी जाने वाली संख्याएं ।

510. योजना : मिलान । व्यवस्था । आयोजन । व्यवहार । किसी कार्य को पूरी तरह से कार्यान्वित करने का नक्शा ।

'र' से आरम्भ होने वाले शब्द

511. रंग : इन्द्रधनुष के सात रंग । नृत्य। आनन्द का उत्सव । दृश्य पदार्थ का वह गुण जो केवल ऑखों से जाना जाता है । रंगने के लिये व्यवहार में लाया जाने वाला पदार्थ । मुख की आकृति । आनन्द । चाल ढाल । प्रेम प्रभाव । महत्व का प्रभाव ।

512. रंगना : किसी वस्तु पर रंग चढ़ाना । किसी को अपने अनुकूल करना या बनाना । किसी पर अपना प्रभाव डालना ।

513. रचना : हाथों से बना कर प्रस्तुत करना । ग्रन्थ आदि लिखना । सजाना । अनुरक्त होना । उत्पन्न करना । क्रम में रखना ।

514. रजत : चॉदी । सफेद रंग का । रमण : घूमना फिरना । रमणीयता : सुन्दरता ।

515. रस : किसी वस्तु के खाने का स्वाद । शरीर में स्थित विशेष धातु । किसी पदार्थ का सार । आनन्द । प्रेम । जल तत्व । धातुओं को गला कर बनाया गया भस्म ।

516. रसना : धीरे धीरे टपकना या बहना । स्वाद लेना । प्रेम में अनुरक्त होना । तन्मय होना ।

517. रहन : रहने की क्रिया या ढ़ंग या भाव । व्यवहार । ठहरना । रुकना । बचना । बसना । टिकना । उपस्थित होना । थमना ।

518. रसाल : आम । रसीला । मीठा । स्वादिष्ट । शुद्ध ।

519. रसोई : घर में भोजन पकाने का स्थान । पकाया हुआ खाद्य पदार्थ ।

520. राम राम : प्रणाम । नमस्कार । हिन्दुओं में भेंट होने पर कहे जाने वाले शब्द ।

521. रामबाण : तुरंत प्रभाव दिखलाने वाली औषधि ।

522. रीढ़ : कीट के अलावा, सभी जीवों में, पीठ के बीचों बीच, हड्डीयों का लम्बा समूह, जो गर्दन से कमर के नीचे तक जाता है ।

523. रीति : ढ़ंग । परिपाटी । नियम । प्रकार । तरह । प्रकृति । स्तुति ।

524. रुकना : आगे न बढ़ना । ठहर जाना ।

525. रूपया : स्वतंत्र भारत की शास्कीय मुद्रा । चॉदी की सबसे बड़ी मुद्रा जो भारत में इतिहासिक तौर से प्रचिलित रही है । चॉदी का एक रूपया तौल में दस माशे का होता है । मध्यकालीन युग में सोने का रूपया भी जारी होता था , जो एक तोले का था। 2015 में भारत सरकार ने एक तोले के सोने के सिक्के फिर से आरम्भ किये हैं। एक तोला, आज के 11.66 ग्राम के बराबर है ।

526. रूप : जीवों की शारीरिक बनावट व कद काठी । प्राकृतिक सौन्दर्य । अवस्था। भेष। शब्दों या वर्ण का

वह रूपान्तर जो उसमें विभक्ति प्रत्ययादि लगाने से बनता है ।

527. रूपक : मूर्ति । प्रतिकृति । वह अलंकार जिसमें प्रकृत विषय को न छिपा कर, उपमेय में उपमान का आरोप होता है ।

528. रोक : बाधा डालना । अटकाव। निषेध । मनाही ।
529. रोकड़ : नगद । रूपया पैसा ।

530. रोना : दु:ख करना । पछताना । बुरा मानना । चिढ़ाना
531. रोरा : हल्ला । कोलाहल । उधम । रोला ।

'ल' से आरम्भ होने वाले शब्द

532. लगना: मिलना । चिपकाया जाना । जमना । उगना । स्थापित होना । चोट पहुॅचाना । संबंध में कोई होना । किनारे पर ठहरना । जान पड़ना । किसी कार्य में तत्पर होना । निश्चय होना । ठीक बैठना । इकट्ठा होना । मूल्य निर्धारित होना । सधना । जान पड़ना । प्रभाव पड़ना । किसी पदार्थ का तल में बैठना । मला जाना ।
533. लगवाना : लगाने का कार्य किसी दूसरे से करवाना । दूसरे को लगाने मे प्रवृत्त करना ।
534. लगाना : मिलाना । क्रम में रखना । फैलाना । जोड़ना । नियुक्त करना । प्रवृत करना । चिन्हित करना । ऑकना । चोट पहुॅचाना । अभिमान करना । दाव पर रखना ।

535. लटकन : नीचे की ओर लटकने की क्रिया या भाव । लगे हुये रत्नों का गुच्छा । नाक में पहिनने का ज़ेवर । एक वृक्ष जिसके फूलों से लाल रंग निकलता है ।

536. लटका : गति । चाल । किसी शब्द या वाक्य का बारम्बार प्रयोग । बनावटी चेष्टा । हाव भाव ।

537. लपक : ज्वाला । लपट । लपकना या दौड़ पड़ना । झपटना । किसी वस्तु को लेने के लिये झट से हाथ फैलाना ।

538. लपक कर : बड़े वेग के साथ आगे बढ़ कर पकड़ना ।

539. लपेट : मरोड़ । उलझन । ऐंठन । फसॉव । पकड़ । बन्धन । चक्कर ।

540. लपट : अग्नि की ज्वाला । वायु में फैली हुई गरमी या गन्ध । लहक । आग की लपट ।

541. ललक : प्रबल इच्छा ।

542. ललचाना : किसी के मन में लालसा जगाना या उत्पन्न करना ।

543. ललित : मनोहर । सुन्दर ।

544. ललित कला : वे कलाएँ या विद्याएँ जिनके व्यक्त करने में, किसी प्रकार के सौन्दर्य के प्रकट होने की अपेक्षा रहती है ।

545. ललिता : कस्तूरी ।

546. लहरिया : ऐसी समानान्तर रेखाओं का समूह जो सीधी न जा कर क्रम से मुड़ती हुई जाती हैं ।

547. लहरी : लहर । तरंग । तरंगी । मनमौजी ।

548. लहलह : लहलहाता हुआ । हवा के हल्के झोंको के साथ पौधों या नई फसल का हिलना । आन्नद से भरे होने का अनुभव ।

549. लाभ : प्राप्ति । उपकार । भलाई ।

550. लाभदायक : गुणकारी । लाभकारक ।

551. लाभकारी : लाभ लाने वाला ।

552. लिखना : किसी नुकीली वस्तु से रेखा रूप में चिन्हित करना । अंकित करना । स्याही में लेखनी को एक बार डुबो कर कुछ शब्दों की आकृति बनाना ।

553. लिपि : लिखावट । भाषा को लिखने की विधि । वर्ण अंकित करने की पद्धति । लिखे हुये अक्षर ।

554. लिप्त : मिला हुआ । अनुरक्त । प्रेम में डूबा हुआ । तत्पर । संलग्न ।

555. लू : भारत महाद्वीप में , गर्मियों के तीन माह में, चलने वाली अधिक गर्म और तेज हवा ।

556. ले : आरम्भ होकर । तक । पर्यन्त ।

557. लेना : प्राप्त करना । थामना । स्वीकार करना। संचय करना । पहुँचाना अगवानी करना । ऋण लेना । जीतना । मोल लेना । अधिकार में करना ।

558. लेखा : लिखावट । हिसाब किताब । गिनती । अनुमान । आय व्यय आदि का विवरण ।

559. लोक : भुवन । प्राणी । जन । मनुष्य । प्रदेश । दिशा । यश । संसार ।

560. लोप : विच्छेद । क्षय । नाश । अभाव । व्याकरण का वह नियम जिसके अनुसार शब्द साधन में कोई वर्ण हटा दिया जाता है ।
561. लोभ : लालच । आकांक्षा । लिप्सा ।

562. लोलक : हिलता डुलता । हाथ से पकड़ कर बजाने वाली पुराने जमाने की घंटी, जो भारत में मन्दिरों आरती के समय बजाई जाती है, उस के अन्दर का लटकता हुआ, धातु का वह हिस्सा, जिसके टकराने से ध्वनी सुनाई देती है ।

563. लौट : वापस आने की क्रिया या भाव ।
564. लौटना : कहीं पर जा कर वापस आना । पलटना ।

'व' अक्षर से आरम्भ होने वाले शब्द

565. वक्ता : बोलने वाला । बोलने में निपुण । कथा कहने वाला । वक्तृता : व्याखयान । कथन । कथा ।
566. वचन : मुख से निकला हुआ सार्थक वाक्य या शब्द, वाणी या भाषा या उक्ति । व्याकरण में शब्द का वह विधान जिससे एक या अनेक के अर्थ का बोध होता है । एक वचन और बहुवचन । वाचन : उच्चारण करना । पढ़ना । बॉचना ।

567. वर्ग : एक तरह के अनेक पदार्थों का समूह । समान तत्व वाले पदार्थों का समूह । समान उच्चारण के व्यंजनों का समूह । प्रकरण । अध्याय । परिछेद । जाति । श्रेणी । समान अंक या राशियों का गुणनफल । गणित में वह क्षेत्र जिसकी लम्बाई और चौड़ाई बराबर हो तथा जिसके चारों कोण समकोण हों ।

568. वर्ण : जाति । पदार्थों के लाल, हरा, पीला नीला आदि होने का भेद । रूप । अक्षर । व्याकरण के अनुसार आकारादि शब्दों के चिन्ह या संकेत ।
569. वर्णन : गुण कथन । स्तुति । प्रशंसा ।
570. वर्ण माला : किसी भाषा के क्रम से लिखे हुए अक्षर ।

571. वर्तन : व्यवसाय । जीवन वृति । उलटफेर। व्यवहार । पात्र ।
572. वर्तित : सम्पादित । चलाया हुआ । प्रस्तुत ।

573. वर्ष : बारह महीनों का समय । वर्षा ।
574. वस्तु : वह जिसकी सत्ता या अस्तित्व हो । गोचर पदार्थ । वृत्तान्त । कथावस्तु । नाटक का आख्यान ।
575. वस्तुतः यथार्थ में । सचमुच ।

576. वस्त्रः कपड़ा । कपड़े । वहः किसी दूर की वस्तु को निर्देश का शब्द ।

577. वहाँ : उस स्थान पर ।
578. वहि : जो भीतर न हो, बाहर हो ।
579. वहित : प्रसिद्ध । प्रख्यात।

580. वाक्य : पदों का वह समूह, जिससे श्रोता को वक्ता का अभिप्राय जताया जाता है । वाक्य में उद्देश का होना आवश्यक होता है ।
581. वाक् : वाणी, वाक्य ।
582. वाग्देवी : वाणी की देवी। सरस्वती ।

583. वार : अवरोध । रुकावट । क्षण । सप्ताह का कोई दिन ।

584. वारद : बादल । मेघ ।

585. विकट : विकराल । भंयकर । विशाल । दुर्गम। दुःसाध्य। वक्र । डरावना । विकरार ।

586. विकल : व्याकुल । असमर्थ ।

587. विकाल :अतिकाल । देर ।

588. विकल्प : भ्रान्ति । धोखा । भ्रम । विरुद्ध कल्पना । अनेक विधियों का सम्मिलित होना और एक को चुनना । व्याकरण में किसी नियम के दो या अधिक भेदों में से इच्छानुसार किसी एक का ग्रहण ।

589. विकट : विकराल । भयंकर । विशाल । दुर्गम । दुःसाध्य । वक्र । डरावना । विकरार ।

590. विकल : व्याकुल । असमर्थ ।

591. विकाल : अतिकाल । देर ।

592. विकार : बुराई । दोष । अवगुण । किसी वस्तु के रूप रंग आदि में परिवर्तन ।

593. विकास : विस्तार । बढ़ती । प्रकाश । फैलाव । पुष्प का खिलना । क्रम से उन्नति को प्राप्त करना । विकृत : बिगड़ा हुआ । कुरूप । भद्दा । अपूर्ण । अधूरा । विचित्र । रोगी । विद्रोही ।

594. विकृति : विकार । बिगाड़ । शत्रुता । मन का क्षोभ ।

595. विकृष्ट : खिंचा हुआ । आकृष्ट ।

596. विक्री : बेचने की किया या भाव ।

597. विक्रेता : बेचने वाला । विगत : जो बीत गया हो ।

598. विगन्ध : जिसमें किसी प्रकार की गन्ध न हो ।

599. विचार : न्यायलय में वादी प्रतिवादी के विषय पर निश्चय ।
600. विचारकः विचार करने वाला । न्यायधीश ।
601. विचारणीय : विचार करने योग्य ।
602. विचारना : सोचना । समझना । ढूँढ़ना । पता लगाना ।
603. विचारशक्ति : बुरा भला पहचानने की शक्ति ।

604. विच्छेद : विरह । वियोग । नाश । काटने या अलग करने की क्रिया ।

605. विजय : जय । जीत ।
606. विजयी : वह जिसने विजय प्राप्त की हो । विजेता ।
607. विजर : जिसको बुढ़ापा न हो । जर रहित ।

608. विज्ञान : ज्ञान । किसी विषय के सिद्धान्तों का विशेष रूप से प्राप्त किया हुआ ज्ञान जो ठीक क्रम से संग्रह किया गया हो । निश्चयात्मक बुद्धि ।
609. विज्ञान : किसी बात के प्रचार के लिये उसे जताने की क्रिया । सूचना देना । वह पत्र जिसके द्वारा कोई बात बतलाई जाती है ।

610. वित : चतुर । ज्ञाता । निपुण । विततिः विस्तार । फैला हुआ ।
611. वितथ : झूठ । मिथ्या । निरर्थक ।
612. वितरण : बॉटना ।
613. वितरक : बॉटने वाला ।
614. वितरिक्त : अतिरिक्त । सिवाय ।

615. विदा : कहीं जाने की आज्ञा । प्रस्थान ।
616. विदाई : विदा होने की अनुमति ।

617. विदित : जाना हुआ । ज्ञात ।

618. विदुर : पण्डित । ज्ञानी । जानकार ।
619. विदूर : जो बहुत दूर है ।
620. विदुषी : विद्वान स्त्री ।

621. विद्या : शिक्षा आदि द्वारा उपार्जित ज्ञान । किसी विषय का विशिष्ट ज्ञान ।
622. विद्यालय : पाठशाला ।

623. विद्युत् : बिजली ।
624. विद्रुत : भीगा हुआ । गला हुआ ।

625. विधान : किसी कार्य का आयोजन । अनुष्ठान । पुजा । व्यवस्था । रचना ।
626. प्रबन्ध : विधि पद्धति । प्रणाली । ढ़ंग । उपाय ।
627. विधि : कार्य करने का ढंग । रीति । नियम । व्यवस्था । व्याकरण में क्रिया का वह रूप जिससे कोई आज्ञा दी जाती है ।
628. विधिज्ञ : शास्त्रों के विधान को जानने वाला व्यक्ति ।
629. विधुर : व्याग्र । व्याकुल ।

630. विधूत : हटाया हुआ । दूर किया हुआ ।
631. विधेय : कर्तव्य । जिस कार्य का करना उचित हो । व्याकरण में वह वाक्य जिसके द्वारा किसी के विषय में कुछ कहा जाय ।

632. विनती : प्रार्थना । सुशीलता । नम्रता । शिष्टता । विनय ।
633. विपत्ति : संकट की अवस्था या स्थिति । आपत्ति । क्लेश । कठिनाई ।

634. विभाग : बॉटने की क्रिया । विभाजन । सरकार में कार्य बॉटने के बाद एक हिस्से के कार्य के लिये जिम्मेदार वर्ग ।
635. विभिन्न : अलग अलग । अनेक प्रकार का । भेद के अनुसार दूसरा ।

636. विमोक : मुक्ति । छुटकारा ।
637. विमोध : सफल । अमोध ।
638. विमोह : भ्रम । अज्ञान ।

639. विरक्त : विमुख । अप्रसन्न । उदासीन । विरति । वैराग्य ।
640. विरक्ति : उदासीनता ।

641. विरज : स्वच्छ । निर्दोष । निर्मल ।
642. विरद : प्रसिद्ध ।

643. विरल : जो दूर दूर हो । जो झीना हो , घना न हो ।
644. विरलता : पतलापन ।
645. विरह : वियोग । किसी प्रिय जन से दूर होने का भाव ।

646. विरुद्ध : प्रतिकूल । विपरीत । उल्टा । विरोध ।
647. विलास : हर्ष आनन्द । सुख । मनोरंजन । हावभाव ।
648. विलाप : रोना । क्रन्दन । विकल होकर रोने की क्रिया ।

649. विलीक : अनुचित । अयोग्य ।
650. विलीन : लिप्त । छिपा हुआ ।

651. विलुप्त : जो दिखाई न दे रहा हो ।
652. विलोक : दृष्टि । देखना । विलोकना । नयन । नेत्र । ऑख ।

653. विलोल : चंचल । चपल ।
654. विलोभ : मोह । भ्रम । माया ।

655. विवर : गुफा । बिल ।
656. विवरण : वर्णन । व्याख्या । विस्तार से किसी बात या स्थिति को बताना ।

657. विवाद : मतभेद । झगड़ा । कलह । वाक्युद्ध ।
658. विवाह : ब्याह । पाणिग्रहण । परिणय ।

659. विविध : अनेक प्रकार का ।
660. विवेक : भली और बुरी वस्तु को पहचानने और समझने की बुद्धि।
661. विवेचन : जॉच । परीक्षा । निर्णय । अनुसंधान ।
662. विवेचित : निश्चित । विशाल : अति विस्तृत । फैला हुआ । बड़ा और भव्य ।
663. विशारद : किसी विषय का अच्छा विद्वान । कुशल जानकार । श्रेष्ठ । उत्तम । प्रसिद्ध ।
664. विवुध : देवता । पंडित । जानकार । उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्ति ।

665. विशुद्ध : अति शुद्ध ।
666. विशुद्धता : पवित्रता ।

667. विशोध : विशुद्ध करने योग्य ।
668. विशेष : अन्तर । भेद । असमानता । विचित्रता । नियम । तत्व । अधिकता । पादार्थ । अवयव ।
669. विशेषज्ञ : किसी विषय का अच्छा जानकार । विशेषता : विशेष का भाव या धर्म । समानता से भिन्न होने की स्थिति ।

670. विश्राम : थकावट दूर करने के लिये कुछ देर रुकना ।
671. विश्रान्त : जिसकी थकावट दूर हो गई हो ।

672. विश्रुत : विख्यात । प्रसिद्ध ।
673. विश्वा : बीस पल का एक माप ।
674. विश्वास : मन का दृढ़ निश्चय ।
675. विश्व : समस्त ब्रह्माण । समस्त । अधिक । पूरा ।

676. विष : वह पदार्थ जो प्राणी के शरीर में प्रविष्ट होने पर प्राण ले लेता है या स्वास्थ्य को नष्ट कर देता है ।
677. विषम : असमान । जो समान या बराबर नहीं हो । वह संख्या जो दो से बराबर विभक्त न हो । बहुत तीव्र । अति कठिन । भयंकर ।
678. विषय : वह जिस पर कुछ विचार किया जा सके ।
679. विषाद : दुःख । खेद । मूर्खता ।
680. विसार : विस्तार । फैलाव । प्रवाह ।

681. वृद्धा : बुड्ढ़ी स्त्री ।
682. वृद्धि : अधिकता । बढ़ती । सूद । समृद्धि ।
683. वृहत् : बड़ा । पूरा । विपुल । भारी ।
684. वृहती : उत्तरीय वस्त्र । दुपट्टा ।

685. वेग : प्रवाह । धारा । शीध्रता । वृद्धि ।
686. वेद : श्रुति । निगम ।
687. वेतन : वह धन जो किसी को काम करने के लिये दिया जाता है ।
688. वेदक : परिचय करानेवाला ।
689. वेदना : व्यथा । पीड़ा ।

690. वेदनीय : जानने योग्य । वेदितव्य । वेद्य ।

691. वेदी : किसी शुभ कार्य के लिये तैयार की हुई भूमि ।
692. वेदित : जाना हुआ । ज्ञापित ।
693. वेधी : छेदने वाला । वेधने वाला ।

694. वैकल्प : विकल्प का भाव । वैकल्पिक जिसमें किसी प्रकार का सन्देह हो ।
695. वैकल्य : विकलाहट । घबड़ाहट ।
696. वैभव : महत्व । विभव । महिमा ।

697. व्यथा : दुःख । पीड़ा । भय । क्लेश ।
698. व्यवस्था : नियम स्थिति । शास्त्र निरूपित विधि ।

699. व्यवहार : व्यपार । लेन देन का कार्य । समाज में उठने बैठने के नियम ।
700. व्याख्या : वह वाक्य जो कठिन शब्दों के अर्थ सरल भाषा में स्पष्ट करता हो । वर्णन ।

701. व्रत : किसी पुण्य तिथि में पुण्य प्राप्त करने के निमित्त उपवास करना । संकल्प ।
702. व्यग्र :व्याकुल । घबड़ाया हुआ ।

'श' अक्षर से आरम्भ होने वाले शब्द

703. शक्ति : सामर्थ्य । बल । शौर्य । पराक्रम ।
704. शक्य : किया जाने योग्य । समभव । समर्थनीय ।

705. शत : दस का दस गुना । सौ । शतक । सौ वर्षों का समूह ।
706. शपथ : सौगन्ध । कसम । किसी कार्य के लिये धार्मिक संकल्प

707. शब्द : ध्वनि । नाद । वह सार्थक ध्वनि जिससे किसी भाव का बोध होता है ।

708. शम : शान्ति । मोक्ष । निवृत्ति । क्षमा । उपचार । अन्तःकरण । इन्द्रियों का निग्रह ।
709. शमन : शान्ति । चित्त की स्थिरता ।

710. शर्कर : रेत या बालू के कण ।
711. शर्करा : शक्कर । खॉड़ । चीनी ।

712. शाखा : पेड़ की टहनी । डाल । शरीर का अवयव । अॅगुली । किसी मूल वस्तु से निकले हुए भेद । किसी शास्त्र या विद्या के अन्तर्गत उसका कोई भेद ।

713. शान्त : सौम्य । गंभीर । मौन । चुप । उत्साह रहित । स्थिर । बाध रहित ।
714. शान्ति : गम्भीरता । स्तब्धता । शमन । अमंगल दूर करने का उपचार ।

715. शारीरक : शरीर से पैदा हुआ ।
716. शारीरिक : शरीर सम्बन्धी ।

717. शासक : अधिकारी । शासन करने वाला ।

718. शासन : आदेश । लिखित प्रतिज्ञा या निदेश । आज्ञा । इन्द्रियों का निग्रह ।

719. शिक्षा : पढ़ने लिखने की क्रिया । विद्या का अभ्यास । निपुणता। उपदेश । दण्ड । अनुशासन ।

720. शिक्षार्थी : विद्यार्थी । शिक्षा पाने वाला व्यक्ति ।

721. शिखर : पहाड़ की चोटी । उूपरी भाग । सबसे उूँचा स्थान या हिस्सा। शिर । सिर ।

722. शिखा : आग की लपट । चोटी । शाखा । जलती हुई लौ की टेम । नोक । पक्षियों के सिर की कलॅगी जैसी कि मोर के सिर पर होती है । उभड़ा हुआ भाग ।

723. शिथिल : थका हुआ । मन्द । धीमा । श्रान्त । अदृढ़ । अस्पष्ट

724. शिथिलता : आलस्य । थकावट । ढिलाई ।

725. शिला : पाषाण । चट्टान । बड़ा पत्थर ।

726. शील : शान्त स्वभाव ।

727. शिष्ट : शान्त । सुशील । सज्जन व्यक्ति ।

728. शिष्टाचार : विनय। आदर । नम्रता । सभ्य व्यवहार ।

729. शीघ्र : जल्दी । तुरंत । झटपट । चटपट ।

730. शीत : जाड़ा । ओस । जाड़े की ऋतु । ठंडा । शीतल ।

731. शुद्ध : दोषरहित । पवित्र । उज्जवल । उद्दीप्त ।

732. शुद्धता : निर्दोषता ।

733. शुद्धान्त : पवित्र स्वभाव का । अन्तःपुर ।

734. शुद्धि : स्वच्छता ।

735. शुभ : कल्याणकारी । उत्तम । सुन्दर । सुखी ।
736. शुभ्र : सफेद । उज्जवल ।
737. शुभ्रता : शुक्लता ।

738. शून्य : रिक्तस्थान । खाली । आकाश । निर्जन स्थान । अभाव । विन्दु । असंपूर्ण । बहुत थोड़ा । शेष : अन्त । बाकी । बचा हुआ । समाप्ति । अनन्त ।

739. शोण : अग्नि । लाल रंग । रुधिर । रक्त । ललाई ।

740. शोथ : परीक्षा । जॉच । निर्मलता । अनुसन्धान । खोज । ढूँढ़ ।

741. श्याम : काले रॅग का । बादल । कोयल । श्रीकृष्ण का एक नाम ।

742. श्रम : परिश्रम । मेहनत । अभ्यास । तपस्या । व्ययाम ।

743. श्लेष : संयोग । मिलान । जोड़ । श्लील : शुभ । मंगलदायक ।

आगे अगले भाग में ।